grhkkjXqj*rir;n|>#
osxn#/rdwxoHg#grn|>#
lb#LF|gvx#/1P#LF|iY#by|#
#

iqxg#(3806534#3

प्रेस-विज्ञप्ति

वैश्विक चुनौतियों के परिप्रेक्ष्य में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय शैक्षिक उत्कृष्टता की ओर अग्रसर

- आज के ज्ञान आधारित वैश्विक अर्थतंत्र में देश को उच्च प्रशिक्षण प्राप्त पेशेवरों की आवश्यकता है। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने अपने संस्थापक की दृष्टि तथा राष्ट्रीय स्तर पर हो रहे शैक्षिक सुधारों के परिप्रेक्ष्य में अनेक कदम उठाए हैं। इन उपायों दूरगामी प्रभाव होंगे और ये उच्च शिक्षा में गुणवत्ता प्राप्त करने में महत्त्वपूर्ण साबित होंगे। विश्वविद्यालय में पिछले वर्ष की कुछ महत्वपूर्ण उपलब्धियां/प्रयास निम्नलिखित हैंः
- काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को रेफरीड शोध पत्रिकाओं मे प्रकाशित शोध पत्रों की संख्या के आधार देश के सभी विश्वविद्यालयों में प्रथम स्थान मिला है। इस विश्वविद्यालय ने अन्य विश्वविद्यालयों की तुलना में सबसे अधिक (>10000) साइटेशन प्राप्त किया। (करेन्ट साइंस, सितंबर 2009)
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को "उत्कृष्टता की क्षमता वाले विश्वविद्यालय" (युनवर्सिटी विथ पोटेन्सियल फार एक्सीलेंस) के रूप में सूचीबद्ध किया है। इसके तहत विश्वविद्यालय को 50 करोड़ रूपए मिलने की उम्मीद है।
- भारत सरकार के विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंत्रालय के जैवप्रौद्योगिकी विभाग द्वारा विश्वविद्यालय में एक "इण्टरडिसिप्लीनरी स्कूल आफ लाइफ साइंसेज" की स्थापना हेतु 23.89 करोड़ रूपए का अनुदान दिया गया है। इसके अन्तर्गत संरक्षण जीवविज्ञान, रोग जीवविज्ञान, फंक्सनल जीनोमिक्स, सूक्ष्म परिस्थितिकी, न्यूरोबायोलाजी, प्रजनन जीवविज्ञान तथा स्ट्रेस बायोलाजी के क्षेत्र में इण्टरडिसिप्लीनरी उच्चानुशीलित अनुसंधान किया जाएगा।
- विश्वविद्यालय ने प्रशासनिक सुधार, प्रवेश प्रक्रिया सुधार, चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली तथा क्रेडिट स्थानांतरण, परीक्षा सुधार, एवं शोध में उत्कृष्टता के पोषण के लिए कार्य बलों (टास्क फोर्स)/समितियों का गठन किया है।

- विश्वविद्यालय ने स्नातकोत्तर स्तर पर सेमेस्टर प्रणाली लागू कर दी है और शेष बचे स्नातक पाठ्यक्रमों में लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। मूल्यांकन प्रक्रिया को एक सतत एवं पारदर्शी बनाया जा रहा है। चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली तथा क्रेडिट स्थानांतरण से स्नानतक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम अधिक लचीले एवं छात्रों के रूचि अनुरूप हो जाएंगे।

- विश्वविद्यालय शैक्षिक एवं प्रशासनिक प्रक्रियाओं में आई0सी0टी एवं ई–गवर्नेन्स के उपयोग को बढ़ावा देने के उपाय कर रहा है।

- अमेरिका, यूरोप, एशिया तथा विश्व के अन्य भागों में स्थित अनेक उच्च शिक्षण संस्थानों/विश्वविद्यालयों ने का0हि0वि0वि0 से विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग में रूचि दिखाई है। इससे इन संस्थानों की दृष्टि में इस विश्वविद्यालय की महत्ता का आभास मिलता है और हमें अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों को समय–सापेक्ष बनाने में सहायता मिलेगी।

- गत वर्ष 16 अन्तर्राष्ट्रीय संस्थानों से विचार–विमर्श किया गया तथा 12 संस्थानों/विश्वविद्यालयों के साथ अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग हेतु अनुबंध किया गया।

  गत वर्ष विभिन्न देशों से 74 विश्वविद्यालय शिक्षक/अधिकारी अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग के सम्बन्ध में चर्चा हेतु का0हि0वि0वि0 पधारे। इसके साथ ही का0हि0वि0वि0 में 48 देशों से लगभग 500 विद्यार्थी विभिन्न पाठ्यक्रमों में पठन–पाठन कर रहे हैं।

- माननीय कुलाधिपति, डा0 कर्ण सिंह जी ने 25 दिसम्बर 2009 को ' का0हि0वि0वि0 पर्यावरण एवं संपोष्य विकास नीति' का विमोचन किया।

- उत्तर प्रदेश के राज्यपाल महामहिम श्री बी0एल0 जोशी ने 30 दिसम्बर, 2009 को पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान की आधारशिला रखी। इस अवसर पर महामहिम ने का0हि0वि0वि0 द्वारा विकसित पर्यावरण कैलेन्डर को उत्तर प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में लागू करने की घोषणा की।

- संपोष्य कृषि एवं ग्रामीण विकास पर 'लालबहादुर शास्त्री पीठ' की स्थापना की गयी।

- विश्वविद्यालय में 'यूनेस्को चेयर आन पीस एजुकेशन एण्ड इन्टरकल्चरल अन्डरस्टैन्डिंग' की स्थापना हेतु प्रस्ताव यूनेस्को में विचाराधीन है।

- मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा 11वीं पंचवर्षीय योजना में एकमुश्त 27.0 करोड़ रूपए आवंटित करने के अतिरिक्त राजीव गांधी दक्षिणी परिसर हेतु 100 करोड़ रूपए अनुदान दिए जाने हेतु प्रकरण यू0जी0सी0 में विचाराधीन है। दक्षिणी परिसर को पंचवर्षीय योजना में नियमित अनुदान प्रदान किए जाने हेतु प्रयास किए जा रहे हैं।

- काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को 2009 में तदर्थ परियोजनाओं हेतु 96.40 करोड़ रूपए प्राप्त हुआ।

- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को 11वीं पंचवर्षीय योजना के वित्तीय आवंटन की दृष्टि से सर्वाधिक (रू. 845.02 करोड़) तथा रू. 561.25 करोड़ अन्य पिछड़ी जातियों के आरक्षण को लागू करने हेतु प्राप्त हुआ।

- काशी हिन्दू विश्वविद्यालय 11वीं पंचवर्षीय योजना तथा ओबीसी आरक्षण लक्ष्यों को सफलता पूर्वक लागू कर रहा है।

- काशी हिन्दू विश्वविद्यालय सर सुन्दरलाल चिकित्सालय में रोगियों की बेहतर देख-रेख के लिए वांछित सुविधाएं मुहैया कराए जाने हेतु प्रयासरत है। वर्ष 2009 में चिकित्सालय के बहिरंग विभाग में 9,96,151 तथा अन्तरंग विभाग में 45,161 रोगियों ने सेवाएं प्राप्त की।

- हाल में ही सर सुन्दरलाल चिकित्सालय को उच्चीकृत करने तथा सुविधाओं का बढ़ाने के लिए भारत सरकार के पास 216 करोड़ रूपये का प्रस्ताव माननीय कुलाधिपति के माध्यम से प्रेषित किया गया है ।

- भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने अपनी 'डीस्टिंग्वीस्ड लेक्चर सीरीज आन फारेन पालिसी आफ इंडिया' का शुभारम्भ काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से किया।

चेयरमैन